

ग्रावार ग

EXTRAORDINARY

भाग II-- अण्ड 3-- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 447:

नई दिल्लो, शुक्रवार, प्रक्तूबर 31, 1975/कार्तिक 9, 1897

No. 447]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 31, 1975/KARTIKA 9, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st October 1975

S.O. 632(E)/18AA/IDRA/75.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 688(E)/18AA/IDRA/72 dated the 2nd November, 1972, Messrs Hindustan Steel Limited, a Government Company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and having its registered office at Ranchi in the State of Bihar (hercinafter referred to as the authorised person), was authorised to take over, for a period of three years commencing from the date of the publication of the said Order in the Official Gazette, the management of the Refractory Plant near Ramgarh, in Hazaribagh district in the State of Bihar, owned by Messrs Assam Sillimanite Limited, a Company registered under the said Act, having its registered office at Gauhati and principal office at 25, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the authorised person should continue in the management of the said industrial undertaking for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 18AA, read with the proviso to sub-section (2) of section 18A, of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 2nd November, 1976.

[No. F 25/8/72-CUC] R. V. RAMAN, Secy.

उद्योग चौद्र स्वारिक पूर्तिमंत्रालय

(ग्रौद्धोगिक विकास विभाग)

प्र(देश

नई दिल्ली, 81 सम्तूबर, 1975

का का का 632 (म) 18 कक माई शिशार ए १ / 75—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीद्योगिक विकास मंत्रास्य के श्रादेश सं का अग्न 688 (ई) / 18 कक श्राई ही ग्रार ए १ / 72, तारीख 2 नवम्बर, 1972 द्वारा, मैंसर्स हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड को, जो कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) के ग्रधीन रिजस्ट्रीकृत सरकारी कम्पनी है भौर जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय बिहार राज्य में रीची में है (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है), उक्त श्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से प्रतरंभ होने वाली तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए, मैंसर्स श्रासाम सिलीमेनाइट लिमिटेड के, जो उक्त-श्रधिनियम के श्रधीन रिजस्ट्रीकृत कम्पनी है भौर जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय गोहाटी में भौर प्रधान कार्यालय 25, गणेशचन्द्र एवेन्यू कलकत्ता में है, स्वामित्वाधीन, बिहार राज्य के हजारी बाग जिले में रामगढ के निकट रिफक्टरी प्लांट का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि प्राधिकृत व्यक्ति एक वर्ष की भौर भवधि तक उक्त श्रीव्योगिक उपक्रम का प्रबंध करता रहे ;

भतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित, धारा 18 कक द्वारा प्रदत्त अनितयों का प्रयोग करते हुए, निदेश करती है कि उपर विणित आदेश 2 नवस्थर, 1976 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और श्रवधि तक प्रभावशील बना रहेगा।

[सं० फा 25/8/72-सी यू ०सी०] बार० बी० रामन सचिव ।